NATIONAL HOUSING BANK

Azadi Ka Amrit Mahotsav

प्रेस विज्ञप्ति

राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा दिनांक 29 सितंबर, 2021 को आवास एवं आवास वित्त- बड़े शहरों से आगे निकलकर एक विचार (Housing and Housing Finance - A Thought beyond Metros) पर वेबिनार

राष्ट्रीय आवास बैंक "आज़ादी का अमृत महोत्सव - भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष" के तहत आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों के अंतर्गत भारत में आवास एवं आवास वित्त की पहुंच से संबंधित विषयों पर केंद्रित वेबिनार की एक विशेष श्रृंखला का आयोजन कर रहा है। इस श्रृंखला का प्रथम वेबिनार *'आवास एवं आवास वित्त: बड़े शहरों से आगे निकलकर एक विचार' (Housing and Housing Finance: A Thought beyond Metros)* विषय पर दिनांक 29 सितंबर, 2021 को आयोजित किया गया था।

वेबिनार में श्री एस. के. होता, प्रबंध निदेशक, राष्ट्रीय आवास बैंक के साथ-साथ दो प्रतिष्ठित अतिथि वक्ता नामत: श्रीमती दक्षिता दास, अतिरिक्त सदस्य (वित्त), रेलवे बोर्ड एवं राष्ट्रीय आवास बैंक के पूर्व प्रबंध निदेशक तथा मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं श्री सुनील मेहता, मुख्य कार्यपालक, भारतीय बैंक संघ (आईबीए) शामिल थे। वेबिनार में लगभग 150 अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों, आवास वित्त कंपनियों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों एवं लघु वित्त बैंकों के 340 से अधिक अधिकारियों ने भाग लिया।

श्री एस. के होता ने वेबिनार का आरंभ पिछले एक दशक के दौरान आवास वित्त क्षेत्र में हुई प्रगति के विषय में तथा कोविड 19 महामारी के दौरान एवं अनलॉक की प्रक्रिया के बाद इस क्षेत्र के स्थायित्व का उदाहरण देते हुए त्वरित गति से किस प्रकार से स्वयं को पुन:प्रवर्तित किया है, यह बताते हुए किया। उन्होंने महामारी के दौरान किस प्रकार से वर्क फ्रॉम होम एवं रिमोट वर्किंग ने तथा घर के स्वामित्व के संबंध में उपभोक्ता की प्राथमिकता ने टीयर II एवं टीयर III शहरों में आवास हेतु मांग को बढ़ाया है। विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्रों में महानगरों के आसपास आवास ऋण वृद्धि के संकेंद्रण को रेखांकित करते हुए, श्री होता ने ईडब्ल्यूएस एवं एलआईजी क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए देश भर में संतुलित और समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए महानगरों से परे सोचने और रणनीतियों को संशोधित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

श्रीमती दक्षिता दास ने बताया कि कैसे उधारदाताओं द्वारा भौगोलिक समझ की कमी के कारण वित्तपोषण तक पहुंच सीमित हो जाती है। उन्होंने सुझाव दिया कि आ.वि.कं. एवं बैंकों के बीच एक सहयोगात्मक मॉडल के द्वारा अधिक लोगों तक पहुंच बनाई जा सकती है विशेषत: उन तक जो अपना घर अंतिम उपयोग या पहली बार खरीद रहे है। बैंकों का एक सशक्त तुलन पत्र एवं क्रियान्वयन नेटवर्क है एवं आ.वि.कं. की उभरते टीयर III एवं IV शहरों में अल्प आय वर्ग में अच्छी पहुंच है जो इस मॉडल को सफल बना सकती है।

श्री सुनील मेहता ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए संबोधित किया कि बड़े घर, कम मूल्य एवं मुद्रांक शुल्क में कमी, अच्छी आय, सशक्त आधारभूत सुविधाएं आदि प्रोत्साहन कैसे घर क्रेता को मेट्रो से आगे जाने के लिये एक विश्वास देते हैं। उनके द्वारा अभी कम दृष्टिगत ग्रामीण आवास पोर्टफोलियो के भविष्य में ओर तेजी से बढ़ने के संबंध में भी विचार प्रकट किये गये। ग्रामीण आवास में भू-पट्टे के औपचारीकरण किये जाने से इसको बंधक रखने का मार्ग प्रशस्त होता है एवं इसे औपचारिक आवास वित्त के साथ जोड़ा जा सकता है जो इस क्षेत्र के विकास के लिये एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। श्री मेहता द्वारा अच्छी एवं बेहतर पहुंच तथा देश में आवास वित्त ऋण को तेजी से प्रदान करने के लिये आवास वित्त कंपनियों, फिनटेक कंपनियों व अच्छी रिकवरी एवं हामीदारी मॉडल हेतु बैंकों आदि के साथ गठजोड़ एवं अल्प लागतीय बचत एवं चालू निधियों के इस्तेमाल पर जोर दिया गया है।

श्री राहुल भावे, कार्यपालक निदेशक, राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा, वेबिनार में सूत्रधार की भूमिका निभाई गयी। वक्ताओं के उद्बोधन के बाद एक प्रश्नोत्तर सत्र भी रखा गया एवं अंत में श्री वी. वैदीश्वरण, कार्यपालक निदेशक, राष्ट्रीय आवास बैंक के धन्यवाद ज्ञापन के साथ वेबिनार को संपन्न हुआ।

NATIONAL HOUSING BANK

Azadi Ka Amrit Mahotsav

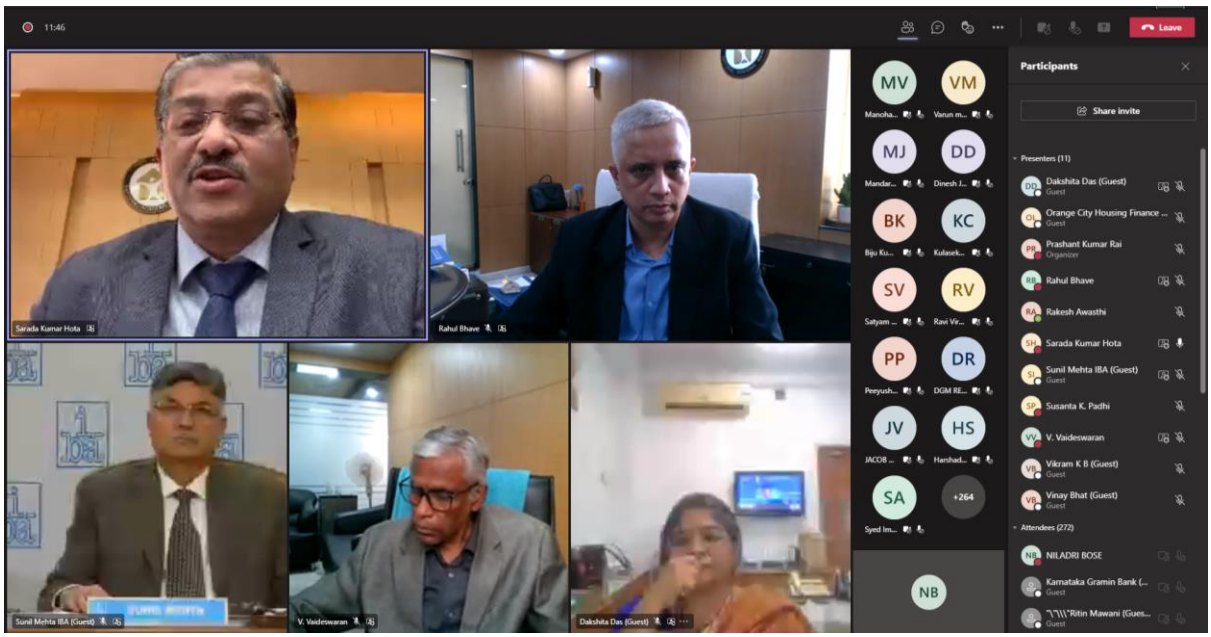

****